

St. Claret College

Autonomous, Bengaluru

UG END SEMESTER EXAMINATION-MAY 2025

B.A. II SEMESTER

HNA 224: हिंदी पद्य, फिल्म समीक्षा एवं संक्षेपण

Roll No:
Date:

TIME: 3 hours.

1

MAX. MARKS: 80

This paper contains THREE printed pages and SIX Sections

Instructions:

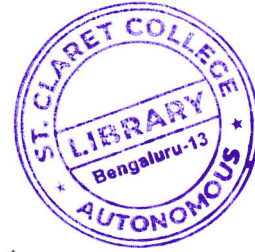
1. Verify and ensure that the question paper is completely printed.
2. Any discrepancies or questions about the exam paper must be reported to the HOD within 1 hour after the examination.
3. Students must check the course title and course code before answering the questions.

SECTION-I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए :

[10x1 = 10]

1. सतगुरु की महिमा कैसी बताई गई है?
2. प्रभु श्रीराम केवट से क्या माँगते हैं?
3. चातक पक्षी किस जल की प्रतीक्षा करता है?
4. मगध के पदतल में कौन पड़ा है ?
5. टूटे तारों पर कौन शोक नहीं मनाता है?
6. चंपा किसकी बेटी है?
7. बीसवीं सदी में मानव का सबसे बड़ा संकट क्या है?
8. भ्रष्टाचार के कितने प्रकार बताए गए हैं?
9. गाँधी जी का समाधि स्थल कहाँ पर है?
10. 'अशोक की चिंता' कविता के रचनाकार कौन हैं?



SECTION-II

किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए:

[2x7 = 14]

11. बड़ा भया तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर ।

पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर ॥

12. बर दंत की पंगति कुंदकली अधराधर-पल्लव खेलन की।
चपला चमकैं घन बीच जगैं छबि मोतिन माल अमोलन की॥
घुँघरारि लटैं लटकैं मुख ऊपर कुंडल लोल कपोलन की।
नेवछावरि प्रान करैं तुलसी बलि जाउँ लला इन बोलन की॥
13. चंपा तुम भी पढ़ लो
हारे गाढे काम सरेगा
गाँधी बाबा की इच्छा है –
सब जन पढ़ना – लिखना सीखे
चंपा ने यह कहा कि मैं तो नहीं पढ़ूंगी
तुम तो कहते थे गाँधी बाबा अच्छे हैं।

SECTION-III

किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए :

[1x15 = 15]

14. 'राष्ट्रीय भ्रष्टाचार महोत्सव' कविता का सारांश लिखकर इसकी प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।
15. 'जो बीत गयी सो बात गयी' कविता में निहित जीवन दर्शन पर प्रकाश डालिए।

SECTION-IV

किन्हीं तीन विषयों पर टिप्पणी लिखिए :

[3x7 = 21]

16. चंपा काले अक्षर नहीं चीन्हती
17. गिरिधर कविराय का लोक ज्ञान
18. अशोक की चिंता
19. बीसवीं सदी का सच
20. घायल भारत माता

SECTION-V

किन्हीं एक फिल्म की समीक्षा लिखिए :

[1x 10 = 10]

21. तीसरी कसम
22. स्वदेश

SECTION-VI

दिए गए अनुच्छेद का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई भाग में संक्षेपण कीजिए : [1x10 = 10]

23. लोग कहते हैं कि मेरा जीवन नाशवान है। मुझे एक बार पढ़कर फेक देते हैं, 'पानी बुदबुदा अस अखबार की जात। पढ़ते ही छिप जाएगा ज्यों प्रभात।' पर मुझे अपने इस जीवन पर गर्व है, मर कर भी मैं दूसरो के काम आता हूँ। मेरे सच्चे प्रेमी मेरे शरीर को फाइल में कम से कम संभालकर रखते हैं। कई लोग मेरे उपयोगी अंगो को काट कर रख लेते हैं। मैं रद्दी बनकर भी अपने ग्राहकों की कीमत का तीसरा भाग अवश्य लौटा देता हूँ। इस तरह महान उपकारी होने के कारण मैं दूसरे दिन ही नया जीवन पाता हूँ। सज - धज के आता हूँ। सबके मन में समां जाता हूँ। तुमको भी ईर्ष्या होने लगी है न, मेरे जीवन से भाई ! ईर्ष्या नहीं स्पर्धा करो। मेरी तरह उपकारी बनो, तुम भी सबकी आँखों का तारा बन जाओगे।
